कोड ऑफ कंडक्ट और कोड ऑफ इथिक्स
आचरण संहिता   नीति परक आचार संहिता

कोड ऑफ कंडक्ट :- प्रशासनिक आचरण संहिता :

प्रशासनिक आचरण संहिता नियमों का वह समूह है जो कर्मचारियों / सदस्यों की आचरण में अनुशासन बनाए रखने या उनके आचरण का नियमन करने के लिए सरकार द्वारा बनाए जाते हैं।

आचरण संहिता आवश्यक क्यों :-

- सदस्यों के आचरण / व्यवहार में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी है।
- अधिकारों के दुरुपयोग और कर्तव्यों की अवहेलना को रोकने के लिए।
- सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, पारदर्शिता, गैर तरफदारी आदि को बढ़ावा देने के लिए।
- प्रशासन को अधिक कुशल और अनुक्रियाशील बनाने के लिए।
- विवेकाधीन अधिकारों के दुरुपयोग को रोकना
- कोड ऑफ कंडक्ट के माध्यम से कर्मचारियों को यह बताया जाता है कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

क्या करना चाहिए-

सिविल सेवक को सत्यनिष्ठा, भेदभाव, रहितता गैर तरफदारी से मुक्त होकर कार्य करना चाहिए।

- राजनीतिक गतिविधियों जैसे धरना, प्रदर्शन आदि में शामिल नही होना चाहिए।
- सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना।
- अपने पद की गरिमा को बनाए रखेगा विनम्र और शिष्ट व्यवहार करेगा।
- एक सिविल सेवक बेईमानी छल-कपट और धोखाधड़ी से दूर रहेगा।
- अपने अधीनस्थों की भी सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करेगा।
- संवैधानिक मूल्यों, मानवाधिकार जीवन की रक्षा और सम्मान स्वतंत्रता, सार्वजनिक हित आदि को बढ़ावा देगा

क्या नही करना चाहिए-

- राजनीतिक दलों को चंदा नही देना चाहिए।
- प्रेस, मीडिया आदि के माध्यम से सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की सार्वजनिक आलोचना नही करनी चाहिए।
- जानबूझ कर अपने वरिष्ठों और विभागीय मंत्री के आदेशों एवं निर्देशों की अवहेलना नही करेगा।
- जाति धर्म आदि के आधार पर भेदभाव नही करेगा।
- उपहार और विवाह संबंधी भी कुछ पाबंदिया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

कोड ऑफ कंडक्ट की स्थिति में दण्डात्मक कार्यवाही सम्भव है।

नीतिपरक आचार संहिता :-

नीति संहिता कुछ नैतिक मूल्यों और मानकों का संग्रह होता है जो सदस्यों के कार्य एवं व्यवहार का मार्गदर्शन करता हैं यहाँ सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्वेच्छा से इसका अनुपालन करेंगे।

नैतिक संहिता सदस्यों के आचरण को नैतिक पथ पर आगे बढ़ने को प्रेरित करना है। इसे दायित्व का भाव होता है।
नीतिसंहिता के माध्यम से सदस्यों की नैतिक चेतना को जागृत करने का प्रयास किया जाता है इसमें अन्तर्गत अंतरात्मा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

कोड ऑफ इथिक्स	कोड ऑफ कंडक्ट
- आंतरिक पक्ष या स्वेच्छा का भाव प्रबल	- बाह्य दबाव एवं निर्देशन
- इसका सन्दर्भ नैतिक है।	- इसका सन्दर्भ कानूनी है।
- व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाति है कि वह नैतिक संहिता के अनुसार कार्य करे।	- उल्लघंन की स्थिति में दण्डात्मक कार्यवाही
- इसका संबंध दायित्व से है।	- करना है या करना पड़ेगा से है।
	- इसका सम्बन्ध जवाबदेही से

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

ई- गवर्नेंस :-

- शासन के क्रिया-कलापों में सूचना और संचार तकनीक के प्रयोग को ई- गवर्नेंस कहा जाता है। ई- गवर्नेंस का लक्ष्य है सरकारी सूचनाओं और सेवाओं को जनता के द्वार पर उपलब्ध कराना।

यह शासन की कार्यकुशलता, प्रभावशालिता को बढ़ाने में सहायक है।

ई- गवर्नेंस के विभिन्न मॉडल / प्रकार

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

सरकार →
- सरकार
- नागरिक
- कर्मचारी
- व्यापारी

सरकार से सरकार (G to G) :-

सरकार के विभिन्न विभागों और एजेंसियों में इंटरनेट के माध्यम से सम्पर्क।

सरकार से नागरिक (G to C) :-

सरकारी विभाग और नागरिकों के बीच पारस्परिक व्यवहार जैसे- टेलीफोन बिल, गैस का बिल आरोग्य सेतु ऐप इत्यादि।

सरकार से कर्मचारी (G to E) :-

सरकारी विभाग द्वारा अपने कार्मिकों को ऑनलाइन सेवा।

सरकार से व्यापारी (G to B) :-

सरकार का व्यापार जगत से अंतःक्रिया ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सहायक।

ई-गवर्नेंस से लाभ :-

- जवाबदेहिता में निर्धारण में आसानी।
- नागरिक सशक्तिकरण।
- लागत में कमी।
- पारदर्शिता में वृद्धि।
- सरकारी सेवाओं की बेहतर डिलिवरी
- लाल फीताशाही में कमी
- जनजागरूकता एवं जन सहभागिता को बढ़ावा
- सूचनाओं एवं सेवाओं की प्राप्ति एक ही स्थान पर
- सुशासन की स्थापना में सहायक
- ई-गवर्नेंस के माध्यम से भारत सरकार ने SMART गवर्नेंस के प्रयास किये हैं।

भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

- राष्ट्रीय सूचना - विज्ञान केन्द्र (NIC) की स्थापना।
- GEM - सार्वजनिक खरीद के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म।
- सुगम्य भारत ऐप (दिव्यांग जनों एवं वृद्धों के लिए)
- उमंग ऐप
- आयुष्मान
- डीजी लॉकर

इत्यादि।

PDF से विस्तार लेना

चुनौतियाँ :-

- आधार भूत संरचना का अभाव।
- स्थानीय भाषा की उपेक्षा।
- प्रचार- प्रसार का अभाव।
- उदासीनता एवं अनुभव हीनता
- वेबसाइटों के अक्षरों में समस्या

शेष PDF Note.

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR